Code No. **29/1/3**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) धो डालो फूलों का पराग गालों पर से,
आनन पर से यह आनन अपर हटाओ तो;
कितने पानी में हो, इसको जग भी देखे,
तुम पल भर को केवल मनुष्य बन जाओ तो।

अथवा

भुनती वसुधा, तपते नग,
दुखिया है सारा अग-जग,
कंटक मिलते हैं प्रति पग,
जलती सिकता का यह मग,
बह जा बन करुणा की तरंग,
जलता है यह जीवन पतंग ।

(ख) ऐसी लाज तुझ बिनु कौन करै ।
गरीबनिवाजु गुसैयाँ, मेरे माथे छत्र धरै ।।
जाकी छोति जगत कौ लागै, तापर तुही ढरै ।
नीचहिं ऊँच करै मेरा गोबिंदु, काहू ते न डरै ।।
नामदेव, कबीर, तिलोचन, सधना, सैनु तरै ।
कहि रविदास सुनहु रे संतों, हरि-जीउ ते सभै सरै ।।

अथवा

मनि मानिक मुकुता छबि जैसी । अहि गिरि गज सिर सोह न तैसी ।।
नृपकिरीट तरुनितनु पाई । लहहिं सकल सोभा अधिकाई ।।
तैसेहि सुकबि कबित बुध कहहीं । उपजहिं अनत अनत छबि लहहीं ।।
भगतिहेतु बिधिभवन बिहाई। सुमिरत सारद आवति धाई ।।

2. (क) ''ज्यों-ज्यों निहारिए नेरे ह्वै नैननि,
त्यों-त्यों खरी निकरै-सी निकाई ।।''
इस काव्य-पंक्ति में वर्णित राधा के सौंदर्य का चित्रण मतिराम के पद 'सौंदर्य और शृंगार' के आधार पर कीजिए। 2

(ख) ''खुब गए
दूधिया निगाहों में
फटी बिवाइयों-वाले खुरदरे पैर'' — काव्य-पंक्ति के भाव-सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए बताइए कि रिक्शा-चालक के ये पैर त्रिविक्रम वामन को कैसे मात दे रहे थे । 3

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

ससि-मुख, अंग मलयगिरि बासा। नागिन झाँपि लीन्ह चहुँ पासा ।।
ओनई घटा परी जग छाहाँ। ससि के सरन लीन्ह जनु राहाँ ।।

अथवा

भावना के कर्तव्य त्याग दिए,
हृदय के मंतव्य मार डाले !
बुद्धि का भाल ही फोड़ दिया,
तर्कों के हाथ उखाड़ दिए,
जम गए, जाम हुए, फँस गए,
अपने ही कीचड़ में धँस गए !!

4. विद्यापति **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) करने वाला इतिहास निर्माता होता है, सिर्फ़ सोचते रहने वाला इतिहास के भयंकर रथचक्र के नीचे पिस जाता है। इतिहास का रथ वह हाँकता है, जो सोचता है और सोचे को करता भी है।

(ख) काल इतना विशाल है और पृथ्वी इतनी विस्तृत है कि बड़े-बड़े सम्राटों की कीर्ति फीकी पड़ जाती है। जिनके जीवन और मरण के अवसर एक ही साँस में संसार को आनंद के कोलाहल और शोक के सन्नाटे से भर सकते हैं वे ही बड़े नहीं हैं, बड़े वे भी हैं, जिनका जीवन-दीप सूने में ही बुझ गया है, किन्तु जिनकी अमर ज्योति एक के पास से दूसरे के पास जाकर सबको आलोकित करेगी, धीरे ही धीरे सबके अनुभव में आएगी, सबको प्रकाश देगी।

(ग) व्यवस्था का एक चरित्र होता है कि वह जहाँ अपने बदलने का ख़तरा देखती है, सुरक्षा के लिए कवच बना लेती है और कवच के लिए उसी सामग्री का उपयोग करती है जो बदलाव करने वालों के हाथ में होती है ।

6. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) ''बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।'' इस कथन की समीक्षा 'क्रोध' पाठ के आधार पर कीजिए।

(ख) राहुल सांकृत्यायन ने घुमक्कड़ी को 'नक़द धर्म' क्यों कहा है और युवाओं को घुमक्कड़-धर्म में दीक्षा लेने को क्या कहकर प्रेरित किया है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'दिल से गए दिल्ली में' नामक आत्मपरक निबंध में लेखिका ने 'दिल्ली की फ़ितरत है दिखावा।' – कह कर दिल्ली का जो चित्र पाठकों के सामने प्रस्तुत किया है, क्या आप उससे सहमत हैं ? तर्कसहित अपने मत की पुष्टि पाठ के आधार पर कीजिए।

7. मुंशी प्रेमचंद **अथवा** मिर्ज़ा ग़ालिब के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) हमारे देश में विकलांगों की समस्याओं को लेकर सरकार और सामाजिक संस्थाएँ क्या-क्या कार्य कर रही हैं ? इस समस्या के प्रति 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास में लेखिका के दृष्टिकोण को 60–70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दहेज और वृद्ध-विवाह जैसी समस्याओं के प्रति सरकार और सामाजिक संस्थाओं की जागरूकता पर प्रकाश डालते हुए इन समस्याओं के प्रति 'निर्मला' के कथाकार प्रेमचंद के दृष्टिकोण को 60–70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर दद्दा की **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर सुधा की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में दीजिए : 3, 3

(क) 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाषा-शैली की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'देशकाल और वातावरण की दृष्टि से 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' एक सफल उपन्यास है।' – इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

10. आदिकाल को 'वीरगाथा-काल' नाम क्यों दिया गया ? वीरगाथा-काल के काव्य की किन्हीं चार सामान्य विशेषताओं का परिचय दीजिए। 5

अथवा

सूफ़ी काव्य को 'प्रेममार्गी' काव्य की संज्ञा क्यों दी गई है ? प्रेममार्गी काव्य की किन्हीं चार सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

11. 'नई कविता' की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए 'नई कविता' के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 5

अथवा

छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' क्यों कहा जाता है ? छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख भी कीजिए।

12. प्रसादोत्तर युग के नाटक-साहित्य के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

अथवा

प्रेमचंदोत्तर युग की कहानी के विकास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारा उत्तरदायित्व

(ख) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(ग) कामकाजी नारी और उसका परिवार

(घ) जीवन-मूल्यों के विकास में साहित्यकार की भूमिका

(ङ) दिन-दिन बढ़ता प्रदूषण